बढ़ गया। यह प्रक्रिया इस क्रम में अपनाई गई कि प्रत्येक टोकरी में बोये गए दाने को दस दिन बाद ही खिलाने की निरंतरता बनी रहें। प्रत्येक दिन एक टोकरी अंकुरित दाना/चारा भैंस को खिलाया गया और उसी खाली हुई टोकरी में फिर से एक किलो दाना बो दिया जाता है। यह क्रम निरंतर बनाकर दूध उत्पादन की मात्रा का विश्लेषण किया गया, जिसमें पाया गया कि भैंस के दूध उत्पादन में औसतन 16 प्रतिशत की बढ़ोज़री हुई है। भारतीय गोवंश का संवर्धन के लिए उच्च क्षमता सज़्पन्न सॉड गांवों को दिए जा रहे हैं। जिनसे नई पीढ़ी की उत्पादकता में बढ़ोज़री हुई है। इसका परिणाम है कि गायों को पशुपालक अपने घर पर ठीक से संरक्षित करने लगे हैं। प्रत्येक ग्राम में पशुधन की व्यवस्थित